वैमासिक समाचार बुलेटिन

# ज्ञान दर्शन

संयुक्तांक अप्रैल–जून 2012 एवं जुलाई–सितम्बर, 2012

ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ. प्र.)

Website- www.gyanmahavidhyalaya.com
Email- gyanmv@gmail.com

श्रीमती आशा देवी
संरक्षिका

श्री दीपक गोयल
सचिव

डा. गणतन्त्र कुमार गुप्ता
प्राचार्य

डा. गोविन्द कुमार वार्ष्णेय
निदेशक

डा. योगेश कुमार गुप्ता
उप प्राचार्य

**सम्पादक मण्डल**

1. डा. खजान सिंह
2. श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी
3. डा. रत्न प्रकाश
4. श्री नवीन वार्ष्णेय

**अपरिहार्य कारणों से अप्रैल–जून, 2012 का अंक समय से प्रकाशित नहीं हो पाया, अतः अप्रैल से सितम्बर, 2012 तक का यह संयुक्त अंक प्रकाशित किया गया है। पाठकों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।**

**सम्पादक मण्डल**

सीढ़ियां उनके लिए हैं,
जिन्हें छत पर जाना है।
जिनकी नजर सितारों पर है,
उन्हें तो पथ खुद बनाना है।

## महाविद्यालय को NAAC ने 'ए' ग्रेड दिया :

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद [National Assessment & Accreditation Council (NAAC)] के तीन सदस्यीय दल ने महाविद्यालय में आकर 9 तथा 10 मई, 2012 को महाविद्यालय का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन दल में गोवा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. एस. जकारिया, पश्चिमी बंगाल के प्रोफेसर पी. देवनाथ और केरल के डा. के. विजय कृष्ण पिल्लई थे। दल का नेतृत्व प्रोफेसर जकारिया जी ने किया।

मूल्यांकन दल ने महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं को देखने के साथ-साथ प्राध्यापकों की शैक्षिक योग्यताओं, शैक्षिक गतिविधियों तथा पढ़ाने के तरीकों व अनुशासन को देखा। मूल्यांकन दल ने महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के कर्मचारियों के साथ अलग-अलग गोष्ठी कर गहन विचार-विमर्श किया। मूल्यांकन दल ने पुरातन छात्र समिति से भेंट की और महाविद्यालय की गतिविधियों सम्बन्धी दस्तावेज भी देखे।

मूल्यांकन दल ने अपनी रिपोर्ट परिषद के बंगलौर स्थित कार्यालय को भेजी। 5 जुलाई, 2012 की शाम को बंगलौर में मीटिंग के बाद परिषद ने ज्ञान महाविद्यालय के 'शिक्षक शिक्षा विभाग' को 'ए' ग्रेड देने की विधिवत घोषणा की तथा माना कि इस विभाग का कार्य उत्कृष्ट है, इसमें छात्रों के लिए बेहतर सुविधायें प्राप्त है। इस विभाग को 3.16 सी.जी.पी. (क्यूमलेटिव ग्रेड पोइंट एवरेज) दिया गया।

अलीगढ़ मण्डल में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने वाला तथा डा. भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, आगरा में सर्वोच्च अंक 3.16 सी.जी.पी. (क्यूमलेटिव ग्रेड पोइंट एवरेज) प्राप्त करने वाला पहला महाविद्यालय है। महाविद्यालय प्रबन्धन ने 11 सितम्बर, 2012 को महाविद्यालय परिसर में आयोजित संस्थापक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के उत्कृष्ट कार्य के लिए अनेक प्राध्यापकों व कर्मचारियों को प्रमाणपत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया तथा 'ए' ग्रेड के सम्बन्ध में उनके योगदान की मुक्त कण्ठ से सराहना की।

परिषद ने दिनाँक 16 सितम्बर, 2012 को अपने बंगलौर स्थित कार्यालय के 'NAAC' भवन' में समारोह का आयोजन कर प्रमाण पत्र दिए गए। ज्ञान महाविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में उप प्राचार्य डा. योगेश कुमार गुप्ता ने बंगलौर पहुँचकर 'ए' ग्रेड का प्रमाण पत्र प्राप्त किया, उन्हें यह प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के निदेशक द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

Scanned by CamScanner

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्री गणेश के लिए विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथियों तथा गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। आमंत्रित अतिथियों तथा गणमान्य व्यक्तियों को पुष्पगुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको सम्मानित करने की भी प्रथा है।

## शिक्षक शिक्षा संकाय में सत्र का प्रारम्भ :

महाविद्यालय में 11 जुलाई, 2012 को बी.एड. के शिक्षा सत्र 2012-13 के प्रारम्भ में प्रतिभा परिचय का आयोजन किया गया। इस समारोह में बी.एड. के नये विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी प्रतिभाओं का परिचय दिया तथा अपनी रुचियों के बारे में बताया। पुराने विद्यार्थियों ने भेदभाव दूर करने का संदेश देने वाले नाटक का मंचन किया। विद्यार्थियों के बीच सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाने के लिए इस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का संयोजन बी.एड. के विभागाध्यक्ष डा. खजान सिंह ने किया।

## अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में समर स्कूल कार्यक्रम :

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय परिसर में स्थित यू.जी.सी. एकेडमिक स्टॉफ कालेज द्वारा 13 जुलाई, 2012 से 1 अगस्त, 2012 तक इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अनेक विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों ने भाग लिया। हमारे महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों में से श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी तथा श्रीमती सरिता याजनिक, वाणिज्य विभाग के डा. राजेश कुमार कुशवाहा तथा पुस्तकालय से कु. सुषमा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी को यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा ग्रेड 'ए' से नवाजा गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों को पढ़ाने के तरीके सिखाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, चिन्ता/तनाव प्रबन्धन, जल प्रदूषण, गंगा एक्शन प्लान, शोध विधियाँ तथा कम्प्यूटर आदि के प्रयोग के बारे में प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्राध्यापकों में शिक्षण मनोवृत्ति विकसित करने के साथ-साथ प्रभावी शिक्षण के तरीके सिखाना था। हमारे महाविद्यालय से भाग लेने वाले उक्त प्राध्यापकों ने यह महसूस किया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने से उनके शिक्षण कौशल का विकास हुआ है। अधिकांश प्रशिक्षकों ने अपने प्रस्तुतीकरण में पावर प्वाइंट का प्रयोग किया। प्रशिक्षकों ने अपने प्रस्तुतीकरण में शोध के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

## भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा प्रवर्तित कार्यक्रम :

सत्र 2012-13 में वाणिज्य संकाय के वरिष्ठ प्रवक्ता डा. जुगेन्द्र कुमार शर्मा का चयन 31 दिसम्बर, 2015 तक सेबी रिसोर्स परसन पद पर 'भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, नई दिल्ली' द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से हुआ। डा. शर्मा ने नई दिल्ली में राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, चण्डीगढ़, जम्मू और कश्मीर तथा ओडीसा आदि राज्यों से चयनित 50 रिसोर्स परसन्स के साथ 22 जुलाई से 28 जुलाई, 2012 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

यह प्रशिक्षण भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा संचालित एक मात्र संस्थान एन.आई.एस.एम. (नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट) मुम्बई द्वारा दिया गया।

सेबी ने डा. शर्मा को रजिस्टर्ड नं. सेबी/आर.पी./एन./यू.पी./47 दिया, जो कि वेबसाइट पर उपलब्ध है, साथ ही उन्हें वर्ष में कम से कम 12 तथा अधिकतम 52 कार्यशालायें आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी। डा. शर्मा अगस्त 2012 से अब तक कुल छः कार्यशालाएं आयोजित कर चुके हैं।

## बी. एड. की छात्राओं ने राखियाँ बनाईं :

31 जुलाई, 2012 को बी.एड. विभाग में राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने अनेक प्रकार की राखियाँ बनाई। इस अवसर पर शिक्षा संकाय के प्राध्यापकों के साथ-साथ प्राचार्य, उप प्राचार्य तथा निदेशक भी मौजूद रहे।

## स्वराज स्वावलंबी योजना की शुरूआत :

ज्ञान महाविद्यालय ने दिनाँक 7 अगस्त, 2012 को गाँव-बढ़ौली फतेहखाँ के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्वराज स्वावलंबी योजना का श्रीगणेश सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शहर विधायक माननीय

जफर आलम और महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर गरीब लड़कियों की शादी के लिए ग्राम प्रधान श्री कर्मेन्द्र सिंह लोधी को सिलाई मशीन उपलब्ध करायी गयी। महाविद्यालय के सचिव महोदय ने घोषणा की कि इसी वर्ष से इस गाँव की बारहवीं कक्षा पास हर लड़की को ज्ञान महाविद्यालय में निःशुल्क दाखिला दिया जायेगा, इसके लिए ग्राम प्रधान की संस्तुति आवश्यक होगी। इस सुअवसर पर ऊषा एजूकेशनल इंस्टीट्यूट के वाइस चेयरमैन श्री विपिन अग्रवाल भी उपस्थित थे, उन्होंने सचिव महोदय तथा माननीय विधायक जी के साथ पौधारोपण भी किया। इस आयोजन में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के परियोजना अधिकारी डा. वी.डी. उपाध्याय, निदेशक डा. गोविन्द कुमार वार्ष्णेय, डा. गौतम गोयल, डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ, डा. सुरेन्द्र सिंह यादव, डा. विवेक मिश्र, डा.रेखा शर्मा, श्रीमती बबिता यादव, डा. प्रमोद कुमार, श्रीमती शोभा सारस्वत तथा डा. ललित कुमार उपाध्याय उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner

**बी.टी.सी. विभाग (शिक्षक शिक्षा संकाय) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला :**

महाविद्यालय के ज्ञान भवन के सभागार में क्रियात्मक अनुसंधान विषय पर दिनाँक 8 व 9 अगस्त, 2012 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला

शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अलीगढ़ के डा. जगवीर सिंह तथा डा. अजय कुमार गुप्त ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। दोनों वक्ताओं ने विद्यालय में आने वाली शैक्षिक और अनुशासनात्मक समस्याओं पर विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के साथ विस्तृत चर्चा की और क्रियात्मक अनुसंधान के लिए, "समस्या हमारी-समाधान हमारा" का मूल मंत्र दिया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्षा श्रीमती बबिता यादव ने किया। चर्चा के दौरान महाविद्यालय के निदेशक एवं उप प्राचार्य के साथ-साथ प्राध्यापकों में से श्रीमती शोभा सारस्वत, डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ, कु. रेशू अरोरा, सुश्री शालिनी शर्मा तथा श्री रामकिशन शर्मा, श्री पुष्पेन्द्र सिंह एवं श्री सचिन प्रताप सिंह ने चर्चा में भाग लिया।

**स्वतन्त्रता दिवस समारोह :**

15 अगस्त, 2012 को महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता तथा प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। अनेक विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने इस सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट किए। इस समारोह में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राध्यापकगण तथा अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

## ज्ञान महोत्सव का आयोजन

**1. शिक्षक दिवस :**

महाविद्यालय में ज्ञान महोत्सव के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला आयोजित की जाती है। जिसके अन्तर्गत पहले दिन दिनाँक 05/09/2012 को महाविद्यालय के ज्ञान भवन के सभागार में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। प्रत्येक 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस का आयोजन भारत के दिवंगत राष्ट्रपति स्व. डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस के रूप में किया जाता है, आयोजन की मुख्य अतिथि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अलीगढ़ की प्राचार्य डा. अंजना गोयल थीं।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गुरू-शिष्य परम्परा कायम रखने, शिक्षा के महत्त्व तथा शिक्षक

के बदलते स्वरूप व समाज के प्रति जिम्मेदारियों पर अनेक कार्यक्रम- एकांकी गीत तथा वक्तव्य के रूप में प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित भाषण में कहा कि "पूर्व राष्ट्रपति स्व. डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् मूल रूप से एक आदर्श शिक्षक थे। आज हमारे शिक्षक उतनी ऊँचाई पर नहीं है, जितनी ऊँचाई पर डा. राधाकृष्णन् उन्हें देखना चाहते थे। आज निष्ठावान शिक्षकों की कमी है, आज के अधिकांश शिक्षक ट्यूशन के द्वारा अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं। माँ-बाप तथा शिक्षकों का सम्मान किए बिना शिक्षित व्यक्ति को आत्मिक सुख नहीं मिलता है। जो जीवन की चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा देता है, वही गुरू है, चाहे उसने औपचारिक रूप से किसी को न पढ़ाया हो।" उन्होंने ज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों की क्षमता पर पूरा भरोसा जताया व गुरू-शिष्य परम्परा को कायम रखने पर जोर दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. गणतन्त्र कुमार गुप्ता, निदेशक डा. गोविन्द कुमार वार्ष्णेय, उप प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता तथा शिक्षक-शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डा. खजान सिंह ने अपने-अपने उद्‌बोधनों में शिक्षा तथा शिक्षकों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनने के लिए उनका मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी आदि भी उपस्थित थे।

**2. काव्य गोष्ठी :**

ज्ञान महोत्सव के दूसरे दिन 6 सितम्बर, 2012 को ज्ञान

भवन के सभागार में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि एस.एम.वी. इण्टर कॉलेज, अलीगढ़ के प्रधानाचार्य डा. एस.आर. शर्मा थे। राष्ट्रीय स्तर के दो कवि श्री

Scanned by CamScanner

अशोक अज्ञेय (वृन्दावन) तथा श्री उमाशंकर राही (बदायूँ) ने काव्य गोष्ठी में अपनी-अपनी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने भी काव्य पाठ किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सभी कवियों के काव्य पाठ की सराहना की तथा भ्रष्टाचार को देश की प्रमुख समस्या बताया और शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता कहा। महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल, प्राचार्य, निदेशक तथा उप-प्राचार्य ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कविता पाठ करने वालों का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

### 3. लोकगीत व लोकनृत्य :

ज्ञान महोत्सव के तीसरे दिन 7 सितम्बर, 2012 को ज्ञान भवन के सभागार में लोकनृत्य व लोकगीतों का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि हिन्दू इण्टर कालेज, अलीगढ़ के

प्रधानाचार्य डा. डी. के. शर्मा थे। इस अवसर पर ब्रज कला मंच मथुरा की सांस्कृतिक टीम ने विभिन्न प्रकार के लोक गीत व लोक नृत्य प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित सभी दर्शक व श्रोताओं को राधा-कृष्ण मय कर दिया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक लोकगीत व लोकनृत्य प्रस्तुत किये, इनमें ब्रज के लोकगीतों के साथ-साथ हरियाणवी तथा राजस्थानी लोकगीत व लोकनृत्य प्रस्तुत कर कलाकारों ने उपस्थित लोगों की खूब वाहवाही लूटी।

कलामंच की अन्तिम प्रस्तुति **'फाग खेलन बरसाने आये हैं, नटवर नन्द किशोर'** ने तो सभी दर्शक एवं श्रोताओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया तथा सभागार में होलिकोत्सव जैसा माहौल बन गया।

मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित भाषण में कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्त्व के विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है। पूरे कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के साथ-साथ महाविद्यालय के सचिव, प्राचार्य, उप-प्राचार्य तथा निदेशक सभागार में उपस्थित रहे।

### 4. प्रदर्शनी एवं हास्य व्यंग्य :

ज्ञान महोत्सव के चौथे दिन 8 सितम्बर, 2012 को ज्ञान भवन के सभागार में प्रदर्शनी व हास्य-व्यंग्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि माध्यमिक

इस अवसर पर बुलन्दशहर से पधारे श्री ब्रजेश गर्ग तथा उनके साथियों ने एक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें उनके द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न प्रकार के 5 लाख विजिटिंग कार्ड तथा सैकड़ों प्रकार के स्टाम्प प्रदर्शित किए गए, श्री गर्ग द्वारा किया गया उक्त प्रकार की वस्तुओं का संग्रह **'लिमका बुक रिकॉर्ड'** द्वारा प्रमाणित किया गया है।

महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के

हास्य-व्यंग्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शक तथा श्रोताओं को खूब हँसाया। कार्यक्रम के लिए बदायूँ के कवि श्री उमाशंकर राही, मथुरा से श्री अशोक कुमार अज्ञेय जी के साथ-साथ श्री सवरस मुरसानी को विशेष रूप से बुलाया गया। इन आमंत्रित कवियों की हास्य- व्यंग्य पूर्ण प्रस्तुतियों ने सभागार में उपस्थित लोगों को कई बार खिलखिलाकर हँसने के लिए मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के आयोजन की मुक्त कण्ठ से सराहना की।

पूरे कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के साथ-साथ महाविद्यालय के सचिव, प्राचार्य निदेशक तथा उप-प्राचार्य सभागार में उपस्थित रहे।

### 5. सांस्कृतिक कार्यक्रम :

ज्ञान महोत्सव के क्रम में 10 सितम्बर को ज्ञान भवन के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजन के मुख्य अतिथि श्री चन्दन चटर्जी (संगीत निदेशक आवर लेडी ऑफ फातिमा, सैकेण्डरी स्कूल, अलीगढ़) थे।

महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी मुख्य अतिथि श्री चन्दन चटर्जी ने **'नीले-नीले अम्बर पर, चाँद जब आये, प्यार बरसाये-मन को तरसाये'** गाकर सभागार में उपस्थित जन समुदाय को झूमने के लिये मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि ने आयोजित कार्यक्रम की सराहना कर कलाकारों

Scanned by CamScanner